जुलाई 2007

मनी कुमार

और मौद्रिक नीति!

श्रेणीगत वित्तीय शिक्षण

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मेरा काम बड़ा लाज़वाब है। मगर मेरे काम के बारे में लोग ज़्यादा नहीं जानते, ज़्यादातर लोग सोचते हैं कि भारतीय रिज़र्व बैंक एक सरकारी संस्था है और उनसे उसका कोई लेना–देना नहीं है। मगर ये सच नहीं, भारतीय रिज़र्व बैंक में मेरे द्वारा किए जा रहे हर काम का पूरे देश पर असर पड़ता है, निर्धन किसान से लेकर अमीर उद्योगपति तक। एक गलत कदम से काफ़ी गंभीर नतीज़े होते हैं! और इसीलिए मौद्रिक नीति बनाई गई है। आप अंदाज़ा लगा सकते हैं कि यह बड़ा रोचक काम है किंतु इसके साथ कई जिम्मेदारियाँ जुड़ी है। यदि आप अधिक जानकारी चाहते है तो इसे पढ़े और इसका आनंद उठाएं।

आरबीआई के बारे में जानकारी!

भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को हुई। शुरूआत में बैंक का केन्द्रिय कार्यालय कोलकाता में था लेकिन 1937 में हमेशा के लिए मुम्बई में स्थानांतरित हो गया। यद्यपि मूलरूप से यह निजी स्वामित्व में था, पर 1949 में राष्ट्रीयकरण के बाद पूरी तरह भारत सरकार के अधीन है।

इस समय भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. वाइ. वी. रेड्डी हैं।

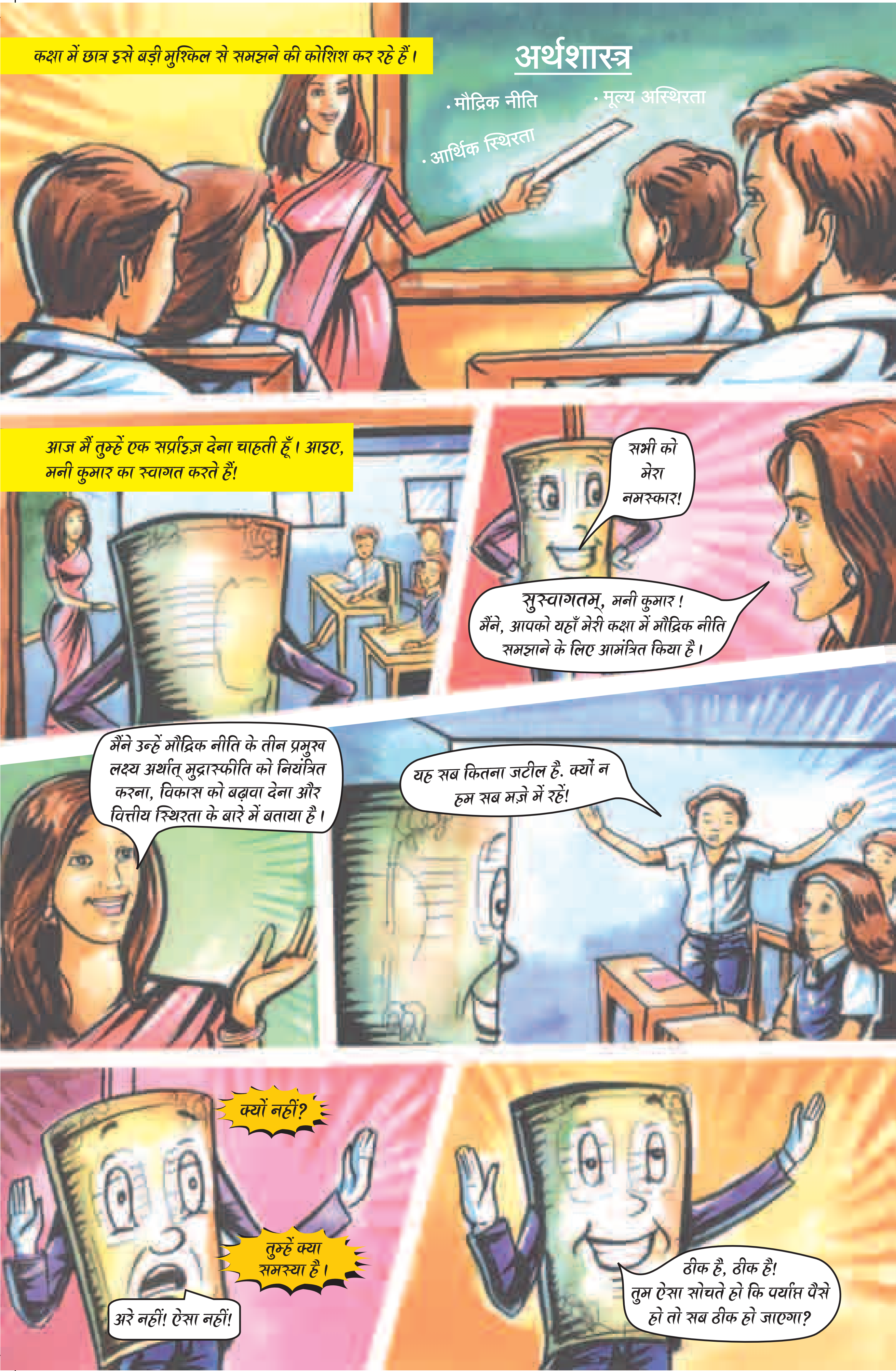

कक्षा में छात्र इसे बड़ी मुश्किल से समझने की कोशिश कर रहे हैं।
अर्थशास्त्र
• मौद्रिक नीति
• मूल्य अस्थिरता
• आर्थिक स्थिरता
आज मैं तुम्हें एक सर्प्राइज़ देना चाहती हूँ। आइए, मनी कुमार का स्वागत करते हैं!
सभी को मेरा नमस्कार!
सुस्वागतम्, मनी कुमार! मैंने, आपको यहाँ मेरी कक्षा में मौद्रिक नीति समझाने के लिए आमंत्रित किया है।
मैंने उन्हें मौद्रिक नीति के तीन प्रमुख लक्ष्य अर्थात् मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना, विकास को बढ़ावा देना और वित्तीय स्थिरता के बारे में बताया है।
यह सब कितना जटील है. क्यों न हम सब मज़े में रहें!
क्यों नहीं?
तुम्हें क्या समस्या है।
अरे नहीं! ऐसा नहीं!
ठीक है, ठीक है! तुम ऐसा सोचते हो कि पर्याप्त पैसे हो तो सब ठीक हो जाएगा?

वह अपना हाथ हवा में घुमाता है और सब एक नई दुनिया में पहुंच जाते हैं!
चलो, फिर हमारी कक्षा को एक सैर पर ले चलते हैं!
खेल
सिनेमाघर
आइए, पैसों से भरी इस दुनिया में आपका स्वागत है। चाहे उतना ले लो, चाहे उतना खर्च करो. बताएं, आपको कितना पैसा चाहिए?
५०० रुपये! हम इससे हर मनचाही चीज़ खरीदेंगे!
ठीक है।
छात्र अपने पैसों से मज़ा उठाते हैं।
विडियो गेम

बच्चे गेम्स खेलने की कतार में खड़े हैं। १०० रुपये में एक गेम बहुत ही सस्ता है!
खेल
रु.१००/-
लेकिन धीरे-धीरे कतार में कई और बच्चे जुड़ जाते हैं।
और जैसे ही मांग बढ़ने लगती है वैसे ही दाम भी बढ़ने लगते है।
खेल
रु.१५०/-
खेल
रु.२००/-
खेल
रु.३००/-
कुछ लोगों के लिए ये अब भी आसान था, पर कई लोगों के लिए यह मुश्किल था।
पैसे होने का क्या मतलब, यदि हम जो चाहे वो न कर सके?
हाँ, वो ज्यादा कंसोलस क्यों नहीं रखते ताकि हम सब खेल सकें?

हाँ, पर जगह कहां है? इस कमरे में तो हम सबके लिए ठीक से खड़े रहने तक की जगह नहीं है, फिर यहाँ ज्यादा कंसोलस रखने का तो सवाल ही नहीं उठता?
मनी कुमार!!!
मनी कुमार!!!
मनी कुमार!!!
ऐसा क्यों है कि ढ़ेर सारा पैसा होने पर भी, हम अपनी मर्ज़ी की चीज़े क्यों नहीं खरीद पाते है? चीज़े पर्याप्त मात्रा में क्यों नहीं है?
दमकता हुआ मनी कुमार आता है।
ऐसा ही होता है जब पैसा बहुत अधिक होता है और सामान कम। इसे ही मुद्रास्फीति! इन्फ्लैशन! कहते हैं।
मुद्रास्फीति! इंफ्लैशन?
जब खूब सारा पैसा हो और उससे खरीदे जाने वाला सामान कम तो दाम बढ़ेगा ही, यही मुद्रास्फीति है। वैसे तो यह सभी को मुश्किल में डाल देता है किंतु गरीबों को ज़्यादा परेशान करता है।
ऐसा क्यों?
क्योंकि निर्धन के पास कोई वैसा इंतजाम नहीं होता है। वे तो मुश्किल से अपनी रोज़ाना जरुरतों को पूरा करने जितना ही कमा पाते हैं और वे बुरे वक्त के लिए बचत नहीं कर पाते है।
क्या तुम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते हो?
बिल्कुल मैं कर सकता हूँ। आओ, मैं तुम्हें कुछ दिखाता हूँ।

वह उन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक के मुख्यालय में स्थित नियंत्रण कक्ष में ले जाता है।
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
देखो, भारतीय रिज़र्व बैंक में हम क्या करते हैं!
जैसे ही वह ब्याज दरों को ऊपर की ओर बढ़ा देता है...
ब्याज दर
ब्याज दरों के बढ़ने से स्क्रीन पर यह दिखता है कि पैसा बैंको से बहकर बाजार में आता है.
बैंक
बाजार
वह फिर दूसरे स्लाइडर को भी ठीक करता है ताकि बाज़ार का अतिरिक्त धन खींचकर वापस उसके मशीन में आ जाए।
बाजार
चलनिधि
स्क्रीन पर अब विडियो गैम पार्लर दिखाई देता है. विडियो गैम की कंसोल की कतार कम होती है। साथ ही टिकट के दाम भी कम होते जाते है
रु.१००/-
भारतीय रिज़र्व बैंक पूरी तरह से तो किमतों का बढ़ना नहीं रोक सकता है किंतु वह यह सुनिश्चित कर सकता है कि किमतों में तेजी से उतार-चढ़ाव न हो। इस तरह लोगों को काफी समय मिल जाता है कि वे सामंजस्य बिठा सके और भविष्य के लिए बचत कर सके।

यह लोगों के पास उपलब्ध धन को नियंत्रित करके मूल्य स्थिरता बनाए रखता है। यह बैंकों को ज्यादा धन देकर या बैंको से अतिरिक्त धन वापस लेकर धन पर काबू रख सकता है।
यह लोगों के पास खर्च करने के लिए उपलब्ध धन पर काबू रखने के लिए यह धन का मूल्य यानी ब्याज दरें कम-ज्यादा भी कर सकता है।
क्या अब भी यह जटील लग रहा है ?
नहीं, मनी कुमार! अब हम मूल्य स्थिरता को समझ गए।
वापस कक्षा में।
तो फिर बहुत सारे पैसों से आपको क्या मिला?
हां!
बहुत सारी झंझट!!
हां!
हां!
...और सब हंस पड़े !!!

वे बटन दबाते है और कंपनियों के मुखिया स्क्रीन पर दिखाई देते हैं।
ध्यान दीजिए, भाइयों और बहनों! हम चाहते हैं कि हमारा देश तरक्की करें इसीलिए कृपया आप ज्यादा से ज्यादा उत्पादन बढ़ाएं।
लेकीन, इसके लिए हमें ज़्यादा साधन की जरूरत पड़ेगी!
जितने साधनों के बक्से चाहिए उतने ले लो।
उनके निर्देश के अनुसार, मज़दूर चाहिए उतने साधनों के बक्से ले जाते हैं।
ज़्यादा साधनों से फैक्ट्रियों ने भरपूर माल तैयार किया।
दुकाने माल से भर गई, और उन्हें खरीदने के लिए लोगों के पास खूब पैसा भी है।

वे बटन दबाते है और कंपनियों के मुखिया स्क्रीन पर दिखाई देते हैं।
ध्यान दीजिए, भाइयों और बहनों! हम चाहते हैं कि हमारा देश तरक्की करें इसीलिए कृपया आप ज्यादा से ज्यादा उत्पादन बढ़ाएं।
लेकीन, इसके लिए हमें ज़्यादा साधन की जरूरत पड़ेगी!
जितने साधनों के बक्से चाहिए उतने ले लो।
उनके निर्देश के अनुसार, मज़दूर चाहिए उतने साधनों के बक्से ले जाते हैं।
ज़्यादा साधनों से फैक्ट्रियों ने भरपूर माल तैयार किया।
दुकाने माल से भर गई, और उन्हें खरीदने के लिए लोगों के पास खूब पैसा भी है।

आकाश छूता विकास !
रोज़गार के खूब अवसर !
जैसे ही छात्र अपनी सफलता की खुशियाँ मनाते हैं...
अचानक अलार्म बजता है और क्या हो रहा है यह जानने के लिए वे मेन स्क्रीन को देखते हैं।
फैक्ट्रियां दिन-रात चल रही हैं, कर्मचारी काम के बोझ में दबे हैं।
ज़्यादा रोज़गार यानी ज़्यादा खर्च। और मांग बढ़ने से हुआ इनफ्लैशन। अब थैला भरकर पैसे से भी लोग चीजें नहीं खरीद पाते।
मनी कुमार को चिंता होती है...
मगर वह छात्रों के बुलावे की राह देखता है।

माल न बिकने के कारण फैक्ट्रियों ने उत्पादन
कम कर दिया और कर्मचारी घटा दिए।
ज़्यादा बेरोज़गारी यानी कम बिक्री।
...फैक्ट्रियां मज़बूरी से बंद हो गईं।
CLOSE
अर्थव्यवस्था मंदी में आ गई और
इसे ठीक होने में काफ़ी वक़्त लगेगा।
हालात बद से बदतर हो गए। ख़रीदने में
नाकाम लोग दंगे-फसाद, लूटपाट करने लगे।
हालात काबू से बाहर हो गए!!

छात्र मनी कुमार को बुलाने का तय करते हैं।
असामान्य विकास!! ज़्यादा बेरोज़गारी!!
मनी कुमार!!!
...लगता है तुमने बड़ी मुसीबत पैदा कर दी।
भरोसा है तुम कुछ करोगे।
मुझे डर लगता है, मैं जल्द ही सब कुछ ठीक नहीं कर सकता। अर्थव्यवस्था को वापस ठीक करने में काफ़ी वक़्त लगेगा। मगर तब-तक काफी नुकसान हो जाएगा, शुक्र है, कि ये असली दुनिया नहीं है!
चलो असली दुनिया में जाते हैं जहां भारतीय रिज़र्व बैंक हर बात पर कड़ी नज़र रखती है।

छात्र मनी कुमार को बुलाने का तय करते हैं।
असामान्य विकास!! ज़्यादा बेरोज़गारी!!
मनी कुमार!!!
...लगता है तुमने बड़ी मुसीबत पैदा कर दी।
भरोसा है तुम कुछ करोगे।
मुझे डर लगता है, मैं जल्द ही सब कुछ ठीक नहीं कर सकता। अर्थव्यवस्था को वापस ठीक करने में काफ़ी वक़्त लगेगा। मगर तब-तक काफी नुकसान हो जाएगा, शुक्र है, कि ये असली दुनिया नहीं है!
चलो असली दुनिया में जाते हैं जहां भारतीय रिज़र्व बैंक हर बात पर कड़ी नज़र रखती है।

मनी कुमार उन्हें असली दुनिया में वापस ले जाता है।
आपने देखा कि भारतीय रिज़र्व बैंक में हम कई तरह का काम करते हैं। आपका हमसे सीधा वास्ता नहीं है, पर हम हमेशा आपसे जुड़े रहते हैं!
हमारी नीतियाँ आपके जीवन के हर पहलू पर असर डालती हैं। अकसर लोग इसे जान नहीं पाते। आशा है अब तुम रिज़र्व बैंक के काम की सराहना करोगे।

मनी कुमार उन्हें असली दुनिया में वापस ले जाता है।
आपने देखा कि भारतीय रिज़र्व बैंक में हम कई तरह का काम करते हैं। आपका हमसे सीधा वास्ता नहीं है, पर हम हमेशा आपसे जुड़े रहते हैं!
हमारी नीतियाँ आपके जीवन के हर पहलू पर असर डालती हैं। अकसर लोग इसे जान नहीं पाते। आशा है अब तुम रिज़र्व बैंक के काम की सराहना करोगे।

यह लो! ब्याज के साथ वापस करना।
बैंक प्रबंधक टीना का पैसा राहुल को देता है।
वह उससे मोपेड खरीदता है।
एक हफ़्ते बाद...
अरे राहुल, बहुत अच्छी मोपेड है!
हां, तुम भी एक ले लो।
इसलिए टीना अपना पैसा वापस लेने के लिए बैंक में जाती है..
मैं अपना पैसा निकालना चाहती हूं।
पर वो तो किसी और को दे दिया, और पैसा नहीं..
...और हमें पैसे की कमी होने पर पैसा देने वाला मनीकुमार छुट्टी पर है।
टीना निराश हो जाती है।

और वह अकेली नहीं थी...
बैंक
मैंने उम्रभर की बचत इस बैंक में जमा की। अब मुझे पैसा वापस नहीं मिल रहा।
अब मैं अपने बच्चों को कैसे पढ़ाऊंगा?
मेरा पैसा वापस न मिला तो मेरी पत्नी का ऑपरेशन कैसे होगा?
बैंक मैनेजर द्वारा दिए गए कर्ज़ को वसूलने में बैंक नाकाम रहा।
पैसा जमा कराने आए हुए लोग वापस जाने लगे।
पैसा वापस न मिले तो मैं यहां क्यों जमा कराऊं
टीना असहाय हो जाती है।
इस बीच...
अरुण! तुम भी एक खरीद लो.
वाह! क्या शानदार मोपेड है.

अरूण कर्ज़ लेने के लिए दूसरे बैंक में जाता है।
मोपेड खरीदने के लिए मुझे कुछ पैसा चाहिए।
सॉरी! हमारे पास पैसा नहीं है। मेरे बॉस ने उतना पैसा वापस नहीं किया है जितना में आशा करता था और ऐसी हालत में हमें पैसा देने वाला मनी कुमार छुट्टी पर है।
अरूण निराश हो गया।
कर्ज़ लेने से वंचित रहनेवाला वह अकेला नहीं था।
बैंक
मैं बेटी की शादी कैसे करूँगा?
मैं एक घर खरीदना चाहता हूँ। पैसा कहां से लाऊं?
इस मुसीबत में राहुल, अरूण व टीना एक दूसरे से मिलते हैं.
इसे केवल मनी कुमार हल कर सकता है।
मनी कुमार !!!

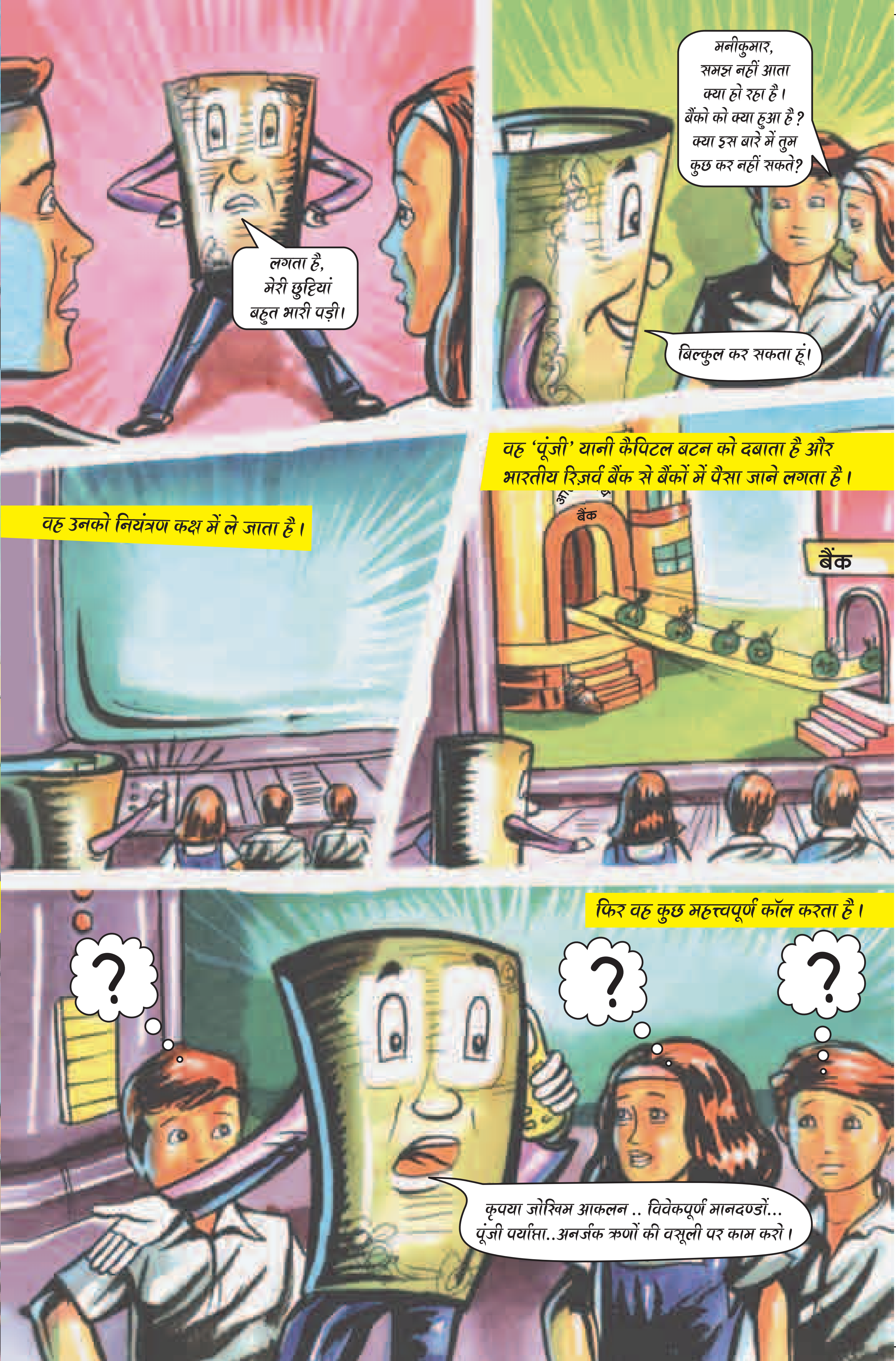
लगता है,
मेरी छुट्टियां
बहुत भारी पड़ी।
मनीकुमार,
समझ नहीं आता
क्या हो रहा है।
बैंको को क्या हुआ है?
क्या इस बारे में तुम
कुछ कर नहीं सकते?
बिल्कुल कर सकता हूं।
वह उनको नियंत्रण कक्ष में ले जाता है।
वह 'पूंजी' यानी कैपिटल बटन को दबाता है और
भारतीय रिज़र्व बैंक से बैंकों में पैसा जाने लगता है।
बैंक
बैंक
फिर वह कुछ महत्त्वपूर्ण कॉल करता है।
?
?
?
कृपया जोखिम आकलन .. विवेकपूर्ण मानदण्डों...
पूंजी पर्याप्ता..अनर्जक ऋणों की वसूली पर काम करो।

बैंक प्रबंधक सहमति में सिर हिलाता है।
और धीरे-धीरे बैंक फिर से मज़बूत हो जाता है।
बैंक ऑफ
ग्राहकों की भीड़ लग जाती है।कोई जमा कर रहा है। दूसरे उधार ले रहे हैं।
जमा बीमा
बैंक
तब मनी कुमार बैंकों के लिए निक्षेप बीमा
नामक एक बड़ा सुरक्षा उपाय करता है।

आखिर हालात ठीक हुए।
तुमने देखा! बैंक सुरक्षित न होने पर लोग अपना पैसा जमा नहीं कराते और यदि ऐसा होता है तो माल तैयार करने के लिए अन्य लोगों को देने हेतु बैंक के पास कोई पैसा नहीं होता। यदि ऐसा होता है तो अर्थव्यवस्था कैसे चलेगी? इसे भी बढ़ने दें। इसलिए मुझे परदे के पीछे रहकर यह ध्यान रखना पड़ता है ताकि बैंक ठीक से काम कर सकें।
ओह, समझे! बैंक का काम-काज ठीक रखते हुए पैसेवालों से पैसा लेकर जरूरतमंद लोगों को पैसा देते हो और जब वे पैसा लौटाते हैं तो फिर किसी और को...
ठीक! ऐसा तभी होगा जब लोग अपने पैसों के लिए बैंक पर भरोसा करेंगे। यह आपके लिए वित्तीय स्थिरता है।
बहुत बढ़िया। अब आगे बताओ।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

सर्वाधिकार
पुनर्मुद्रण की अनुमति है बशर्ते स्त्रोत की जानकारी दी जाए।

दावा अस्वीकरण
भारतीय रिज़र्व बैंक का वित्तीय शिक्षण प्रयास आम आदमी को सामान्य जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।
इस जानकारी के उपयोगकर्ता उपलब्ध कराई गई जानकारी का उपयोग करते समय स्वयं सावधानी बरते और निर्णय लें।